मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 02 जनवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	02-01-14	03-01-14	04-01-15	05-01-15	06-01-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	23	23	23	23	24
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	13	13	13	12	12
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	72	74	76	74	76
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	38	34	32	30	34
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	7	8	9	5	4
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

गेहूँ की फसल को झुलसा व पत्ती धब्बा रोग से बचाने के लिए जनवरी के प्रथम सप्ताह में मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।

गेहूँ व जौ की फसल में दीमक की रोकथाम के लिए क्लोरोपाइरीफॉस की 4 लीटर मात्रा प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ दें।

गेहूँ की फसल में तृतीय सिंचाई 60 से 65 दिन की अवस्था पर करें।

जीरे की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप होने पर मैन्कोजेब या जाइनेब 2 ग्राम दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

अनार के पौधों मे सिंचाई समय पर दें व थावलों से खरपतवार निकालें। मिली बग के नियंत्रण हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 एस.एल. या डायमिथोएट 30 ई.सी. 1 मिली लीटर दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुओं को बांटा व पानी गुनगुना करके दें व शीत लहर से बचाने के लिए रात्रि में पशु घर के द्वार पर टाटी या जूट की बोरी लगा कर रखें।

नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने का विशेष ध्यान रखें व उन्हें समुचित मात्रा में खीस पिलाएं।